एमएलबी कॉलेज के पास शराब दुकान हटाने की मांग, एबीवीपी का प्रदर्शन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मंगलवार को छात्राओं की सुरक्षा और शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने की मांग को लेकर पॉलिटेक्निक चौराहे पर प्रदर्शन किया। परिषद कार्यकर्ताओं ने एमएलबी गर्ल्स कॉलेज के समीप संचालित शराब दुकान को तत्काल हटाने की मांग उठाई।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कॉलेज के पास शराब दुकान संचालित किए जाने पर आपत्ति जताई। प्रदर्शनकारियों के पोस्टरों पर 'शिक्षा के मंदिर के पास शराब की दुकान नहीं चलेगी' और 'जहां ज्ञान की ज्योति जलती है, वहां शराब की दुकान नहीं चलती' जैसे संदेश लिखे थे।

स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वॉटर कैनन की भी व्यवस्था की गई थी। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर विरोध जताते नजर आए।

प्रदर्शन की सूचना मिलने पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा मौके पर पहुंचे और छात्र-छात्राओं से चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की नियमानुसार जांच कर सात दिनों के भीतर निर्णय लिया जाएगा। कलेक्टर के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

लखनऊ अग्निकांड के मृतक छात्रों को मंगलवार को राजधानी में श्रद्धांजलि दी गई।

जन परिषद के गीत आने वाली पीढ़ियाँ भी गुनगुनाएँगी : दीपक वोहरा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः जन परिषद के 37वें वार्षिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन मंगलवार को रवीन्द्र भवन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में भारत के पूर्व राजदूत एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ दीपक वोहरा, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन तथा एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि दीपक वोहरा ने अपने संबोधन में कहा कि जन परिषद की 37 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, सेवा कार्यों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित पहचान को देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाली पीढ़ियां भी इसके रचनात्मक गीतों को गुनगुनाएंगी। उन्होंने कहा कि आज जब विश्व अनेक चुनौतियों और अस्थिरताओं से गुजर रहा है, तब जन परिषद जैसी संस्थाएं समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जन परिषद ने देशभर में 300 से अधिक इकाइयों और सहयोगी संगठनों का मजबूत नेटवर्क विकसित किया है।

यदि देश में ऐसी और संस्थाएं विकसित हों तो सामाजिक और रचनात्मक वातावरण में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने आचार्य चाणक्य के सूत्रों का उल्लेख करते हुए युवाओं में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता और संस्कारों के विकास पर बल दिया। अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने कहा कि समाज के विकास में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और जन परिषद का कार्य अनुकरणीय है। एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव ने युवाओं से अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन.के. त्रिपाठी ने की। उन्होंने संस्था की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी।

आठ कॉलोनियां एलपीजी फ्री घोषित सितंबर से बंद होगी सिलेंडर सप्लाई

नप्र, भोपाल : राजधानी में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार को बढ़ावा देते हुए थिंक गैस कंपनी ने शहर की आठ कॉलोनियों और आवासीय परिसरों को एलपीजी फ्री घोषित कर दिया है। इन क्षेत्रों में सितंबर तक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह बंद कर दी जाएगी और उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन के जरिए गैस उपलब्ध कराई जाएगी। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार जिन कॉलोनियों तक पीएनजी पाइपलाइन पहुंच चुकी है, वहां अब गैस सिलेंडर की जगह पाइप्ड गैस को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए संबंधित रहवासियों को पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए समय दिया गया है। शहर में अब तक 43 हजार पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं, जबकि लगभग 30 हजार घरों में नियमित गैस आपूर्ति शुरू हो चुकी है। थिंक गैस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक कंपनी की पहुंच 200 से अधिक कॉलोनियों तक हो चुकी है और अगले कुछ दिनों में 10 अन्य सोसायटियों को भी एलपीजी फ्री घोषित किया जा सकता है। जिन प्रमुख कॉलोनियों को एलपीजी फ्री घोषित किया गया है, उनमें अयोध्या बायपास, सलैया और आसपास के क्षेत्र की कई आवासीय सोसायटियां शामिल हैं।सरकार और गैस कंपनियां पीएनजी नेटवर्क के विस्तार पर विशेष जोर दे रही हैं। नगर निगम के 15 वार्डों की 170 से अधिक कॉलोनियों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। जिन घरों में अभी तक कनेक्शन नहीं हैं, वहां अगले तीन महीनों में विशेष शिविर लगाकर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए वार्ड और जोन स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद जागा प्रशासन

राजधानी में कोचिंग संस्थानों की फायर सेफ्टी जांच, कई खामियां उजागर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद भोपाल प्रशासन फायर सेफ्टी को लेकर अलर्ट मोड में आ गया है। शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में फायर विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में सुरक्षा मानकों की गंभीर खामियां सामने आई हैं।

जांच के दौरान कई प्रमुख कोचिंग संस्थानों में फायर एनओसी उपलब्ध नहीं पाई गई। ओरस कोचिंग, फिजिक्स वाला, नितेश राठी कोचिंग क्लासेस और दुर्रानी कोचिंग सहित कई संस्थानों में यह अनिवार्य अनुमति नहीं मिली। इसके अलावा कई स्थानों पर फायर फाइटिंग सिस्टम या तो बंद पाए गए या खराब स्थिति में थे। कुछ भवनों में आपातकालीन निकासी के लिए बनी सीढ़ियों पर सुरक्षा रेलिंग तक नहीं मिली।

अनअकैडमी के सेंटर में निरीक्षण के दौरान गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। यहां फायर अलार्म सिस्टम काम नहीं कर रहे थे और टेरेस तक पहुंचने वाले इमरजेंसी एग्जिट पर ताले लगे हुए पाए गए। अधिकारियों के अनुसार, ऐसी स्थिति किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में छात्रों की सुरक्षित निकासी में बड़ा जोखिम पैदा कर सकती है।

जांच में यह भी सामने आया कि कई कोचिंग संस्थानों में तैनात कर्मचारियों को फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग की जानकारी नहीं थी। इसके साथ ही कई स्थानों पर पर्याप्त वेंटिलेशन व्यवस्था भी नहीं पाई गई, जिस पर प्रशासन ने नाराजगी जताई है।

प्रशासन ने संबंधित कोचिंग संचालकों को नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच प्रक्रिया जारी है और सभी संस्थानों की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

महापौर ने ली बैठक, फिर हटे अतिक्रमण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी भोपाल में मंगलवार को नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ दोहरे मोर्चे पर कार्रवाई की। दिन में महापौर मालती राय ने संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक की, जबकि शाम होते ही निगम की टीमें शहर के विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने के लिए मैदान में उतर गईं।

कार्रवाई के तहत पॉलिटेक्निक कॉलेज रोड, सर्किट हाउस क्षेत्र और जहांगीराबाद सहित कई स्थानों से सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाए गए। फालूदा, चाट और पानीपुरी के ठेले लगाने वालों को हटाते हुए उन्हें भविष्य में दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई।

अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई सांयकालीन अतिक्रमण अधिकारी नासिर खान के नेतृत्व में की गई। इस दौरान जहांगीराबाद स्थित एस्टल कॉलेज के पास संचालित एक फास्ट फूड प्रतिष्ठान के खिलाफ भी कार्रवाई हुई, जिस पर नाले के ऊपर स्लैब डालकर अवैध कब्जा करने का आरोप था। अधिकारियों ने संबंधित स्थल पर पूर्व में भी कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी है।

नगर निगम ने बताया कि नाले पर किए गए अवैध निर्माण को हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

इससे पहले महापौर मालती राय ने निगम मुख्यालय अटल भवन में होर्डिंग और अतिक्रमण शाखा की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश के मौसम को देखते हुए सभी यूनीपोल और होर्डिंग संचालकों से स्ट्रक्चर रिपोर्ट अनिवार्य रूप से ली जाए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट न देने वालों की अनुमति निरस्त करने की कार्रवाई की जाए।

इसी दिन महापौर ने पिपलानी क्षेत्र का निरीक्षण भी किया, जहां दीनदयाल रसोई के पास गंदगी पाए जाने पर उन्होंने वाहन रोककर तत्काल सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद नगर निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर सफाई कार्य कराया।

तोमर ने भाजपा कार्यकर्ताओं से किया संवाद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

श्री सिंह तोमर ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया।

जिन जनसमस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी जनसमस्याओं को समझा और उन्हें शीघ्र समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

सीएलसी राउंड के कॉलेज आवंटन जारी

नप्र, भोपाल : उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत कॉलेज लेवल काउंसलिंग राउंड के महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिए हैं। इस राउंड में प्रदेश के 1 लाख 29 हजार 265 विद्यार्थियों को विभिन्न शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में सीट आवंटित की गई है। आवंटित विद्यार्थियों में 94 हजार 703 स्नातक और 34 हजार 562 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हैं। विभाग ने छात्रों से 30 जून तक निर्धारित प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने का आग्रह किया है। साथ ही विद्यार्थियों को ई-प्रवेश पोर्टल पर नियमित रूप से जानकारी देखने की सलाह दी गई है।

लापरवाह ठेकेदार होंगे ब्लैक लिस्ट

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में निर्माण कार्यों में देरी और लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाए। राज्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत कार्यों का शीघ्र भूमि पूजन कर निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए।

भोपाल संभाग के स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करेगा राज्य वित्त आयोग

नप्र, भोपाल : राज्य वित्त आयोग 24 जून को भोपाल संभाग के दौरे पर रहेगा। आयोग नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति, पारदर्शिता, गुणवत्ता तथा आर्थिक स्वावलंबन के संबंध में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से सुझाव प्राप्त करेगा।

आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया, सदस्य के.के. सिंह, पदेन सदस्य ऋषि गर्ग तथा सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में स्थानीय निकायों को वित्तीय रूप से मजबूत, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाने के उपायों पर चर्चा होगी।

आयोग संभाग आयुक्त, विभिन्न जिलों के कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगर निगम आयुक्तों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेगा। बैठक में स्वच्छता, पेयजल, विकास कार्यों की गुणवत्ता और राजस्व बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

टीसी विवाद नहीं सुलझा, अभिभावक परेशान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के ईस्टर्न पब्लिक स्कूल (ईपीएस) और अभिभावकों के बीच चल रहा विवाद एक महीने बाद भी सुलझ नहीं पाया है।

अभिभावकों का आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी , कलेक्टर जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के बावजूद उन्हें केवल जांच का आश्वासन मिल रहा है, जबकि बच्चों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। मामला अप्रैल-मई की भीषण गर्मी के दौरान स्कूल संचालन को लेकर शुरू हुआ था। अभिभावकों का आरोप है कि शासन के निर्देशों के बावजूद स्कूल प्रबंधन बच्चों को नियमित रूप से स्कूल बुला रहा था। इसका विरोध करने पर स्कूल प्रबंधन ने आठ विद्यार्थियों का प्रवेश समाप्त कर उन्हें ट्रांसफर सर्टिफिकेट जारी कर दिया।

अभिभावकों का कहना है कि स्कूल खुलने से ठीक पहले उन्हें संदेश भेजकर टीसी लेने के लिए कहा गया, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई। उनका आरोप है कि पिछले 30 दिनों में वे चार बार कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंच चुके हैं और सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य मंचों पर भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। दूसरी ओर, स्कूल प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आ सका। संपर्क करने के प्रयास के बावजूद स्कूल प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। एडीएम सुमित कुमार पांडे ने बताया कि संबंधित परिवारों और स्कूल प्रबंधन के बीच विवाद की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि नए एसडीएम को मामले की जिम्मेदारी दी गई है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो।

51 हजार परिवार बने बच्चों के पहले शिक्षक अस्सी हजार बच्चे कर रहे स्कूल की तैयारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः महिला एवं बाल विकास विभाग तथा प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की संयुक्त पहल से भोपाल, रायसेन, श्योपुर और टीकमगढ़ जिलों में संचालित 'समर कैम्प 2026 - स्कूल के लिए तैयारी' कार्यक्रम बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को नई दिशा दे रहा है।

इस अभियान के तहत करीब 80 हजार बच्चे खेल-खेल में स्कूल जाने की तैयारी कर रहे हैं, जबकि 51 हजार से अधिक परिवार बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बने हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करना है, जो इस वर्ष आंगनवाड़ी से कक्षा-1 में प्रवेश लेने वाले हैं। इसके माध्यम से बच्चों में भाषा, गणितीय समझ, सामाजिक-भावनात्मक विकास, संज्ञानात्मक क्षमता और शारीरिक विकास जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित किए जा रहे हैं।अभियान की शुरुआत 26 मई को 'स्कूल के लिए तैयारी' मेले से हुई थी। चारों जिलों की अधिकांश आंगनवाड़ियों में आयोजित इन मेलों में बच्चों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न खेलों और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की सीखने की स्थिति का आकलन किया गया तथा अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा की आवश्यकताओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए 200 से अधिक सीडीपीओ एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित किया गया। इसके बाद करीब 6,200 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। 1 जून से प्रतिदिन व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से अभिभावकों तक रोचक एवं आयु-उपयुक्त गतिविधियां पहुंचाई जा रही हैं।

श्रद्धांजलि *डॉ. मुखर्जी के विचारों और बलिदान से ....*

साकार हो रहा एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प : डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश कार्यालय के सामने अरेरा मंडल, वार्ड क्रमांक 45 के बूथ क्रमांक 159 स्थित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा एवं प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचारों और बलिदान से एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प साकार हो रहा है। देश के विभाजन के दौर में जब पश्चिम बंगाल के बड़े हिस्से को पाकिस्तान में शामिल करने के प्रयास हो रहे थे, तब उन्होंने दृढ़ता के साथ उसका विरोध किया।

प्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए व्यापक जनसंवाद और हर वर्ग की राय को महत्व दिया जा रहा है। अभी तक बड़ी संख्या में लोगों ने सुझाव दिया है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी की विचारधारा, राष्ट्र के प्रति उनकी दूरदृष्टि और देश की एकता एवं अखंडता के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने ही भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी, वही जनसंघ आज विश्व के सबसे बड़े व सर्वव्यापी राजनैतिक दल भाजपा के रूप में हम सबके सामने है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मौलिक चिंतक, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थे। इसी तरह प्रदेश भर में बूथों पर डॉ. मुखर्जी को याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किये गए।